

## ण्ए जो जो (LESSON-2) ला॰ेन खोण्टें (SAGOL KANGJEI)

ឃុននៈ X ឃុំដ្រា ក្រហ្មារ (Writer : Chongtham Manihar Singh)

#### <mark>ෆ ්දුෆෆෙ</mark> (SOLUTIONS)

# र्टेएहाण लक्ष्म

## प्राथक में जीए में में किया है।

मञ्जाधिक = प्राचिक्र

ಶಿಶಿದ್ದ ಶಜ್ ಹನ್ನ ಹತ್ಯಗ್ರ = ले-लढाणी स्कर्भ क्रेड क्रुटी छ

स<sup>³</sup>സ³नलां = प्प॰लांत्रोण सत्रेत्र्यंड लक्ष्णा वेंड वेंख ग्रोसड स्रोणडुलां प

ए॰ = प्रेष्ठरोणी सप्रेग्वेषक देव अवि॰ ३० विभस्य ग्रोणिव स्थि स्रोणिव स्थापित

टेप्पञूट = लूजूमक उत्तक्तूट, ज॰ल्बूह्रट

प्रहात हैं प्राप्त के स्वयं होते हैं कि स्वयं स्वयं के स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स

लिटिष्टिष्ठ प्रुप्तटेष्ठ

लेड<sup>७</sup>५ = लाण्<sup>०</sup>नाण सरोधट॰एक सी ज्र<sup>०</sup>धए ठ होगा लेडन

ਅਧਾਤ ਨੇਸ਼ ਨੇਸ਼ ਦੇਸ਼ ਬਾਸ਼ ਸਾਹਿਤ ਜ਼ਾਪ ਕਾਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਕਰਮ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਕਰਮ ਦਾ ਸਾਹਿਤ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਾਹਿਤ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਾਹਿਤ ਦੇਸ

ਟ•ਘ = ਛੇਘਾ

क्षेट रूड = टीचाउँक गाँँ लें टर्भ<u>ग्</u>या भा<u>भ</u>भ करें

भ्रात्मे व्याप्त व्यापत व्याप

### मेर्ह

## ९॥ लाज्य सञ्च्य खाड़े दें, खाला खाला खाँड?

गोञ्जा (ठ) भद्र (ര) राज्ञेष्ठ (ख) किल्लू दर्ग । है मूर्य प्रत्म प्राण :स्र्राण (ठ) भद्र ।

### 8 ॥ लाण्य **खेळटें ख**केंक्**ट्र खेंक? उच्चेप्स** ॥

шेंद्रः एत्यं प्रत्यं प्रत्

### പ്പെ വരു स्राप्त क्रियार क्राय क्रियार क्रियार क्रियार क्रियार क्रियार क्रियार क्रियार क्रिया

ਸ਼ਾਲੇ ਦਾ ਸ਼ਾਲੇ ਦੇ ਸ਼ਾਲੇ ਸ਼ਾਲੇ

### 8 ॥ अ<mark>राभिक्रिकार्थि प्रदेश अरोटे स्टलेखटार्थि स्प्रेश उर्वेणस्र ॥</mark>

है।। लाण्य खोण्ड प्रता हुस्क्रेय, लेणखा, खाशांखार प्रतायक स्लेखराणूमर स्रियेमर ग्रोमरक स्लेखर प्रस प्रेडल्डाण् लेडलंडलं खाशां खाशां करेंद्रायह लाए येहें आक्षण स्थास्याह

हिंग हेता उत्तर्मात स्वाधित स्वाधित

